

पद्म पुरस्कार 2024

[स्रोत: द हट्टि](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वशिष्ठ व्यक्तियों को वर्ष 2024 के प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कार प्रदान किये।

वर्ष 2024 में पद्म पुरस्कार प्राप्तकर्त्ता कौन हैं?

- पुरस्कार प्राप्तकर्त्ता समूह में पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू, अभिज्ञा और राजनीतज्ञ मथिन चक्रवर्ती, गायिका उषा उत्थुप तथा टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और अन्य शामिल हैं।
- सुलभ इंटरनेशनल के संस्थापक बटिश्वर पाठक एवं भरतनाट्यम नृत्यांगना पद्मा सुब्रमण्यम को पद्म वभूषण से सम्मानित किया गया।
- वर्ष 2024 के लिये राष्ट्रपति ने 132 पद्म पुरस्कार प्रदान करने की मंजूरी दी थी, जसिमें दो युगल मामले (एक युगल पुरस्कार को एक के रूप में गनिा जाता है) शामिल हैं।
 - इस सूची में 5 पद्म वभूषण, 17 पद्म भूषण तथा 110 पद्म शरी पुरस्कार शामिल हैं।
 - पुरस्कार वजिताओं में से 30 महिलाएँ हैं, 8 वदिशी/NRI/PIO/OCI व्यक्ती इस श्रेणी में शामिल हैं तथा 9 व्यक्तियों को मरणोपरांत यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

पद्म पुरस्कारों के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- पृष्ठभूमि:**
 - पद्म पुरस्कारों की घोषणा प्रतिवर्ष गणतंत्र दविस (26 जनवरी) पर की जाती है।
 - वर्ष 1954 में स्थापित यह भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक है।
- उद्देश्य:**
 - यह उन सभी वषियों/गतविधियों के क्षेत्रों में उपलब्धियों की पहचान करता है, जनिमें सार्वजनिक सेवा का तत्त्व शामिल हो।
- श्रेणियाँ:**
 - पद्म वभूषण (असाधारण और वशिष्ठ सेवा के लिये)
 - पद्म भूषण (उच्च क्रम की वशिष्ठ सेवा)
 - पद्म शरी (प्रतिष्ठित सेवा)
 - ये पुरस्कार तीन श्रेणियों में दिये जाते हैं:
 - पद्म भूषण और पद्म शरी के बाद पद्म पुरस्कारों के पदानुक्रम में पद्म वभूषण सर्वोच्च है।
- क्षेत्र:**
 - ये पुरस्कार कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक मामले, वज्ज्ञान और इंजीनियरिंग, व्यापार एवं उद्योग, चकित्सा, साहित्य तथा शकित्सा, खेल, सविलि सेवा आदि जैसे वभिन्न वषियों/गतविधियों के क्षेत्रों में दिये जाते हैं।
- पात्रता:**
 - जाति, व्यवसाय, पद या लगी के भेदभाव के बिना सभी व्यक्ती इन पुरस्कारों के लिये पात्र हैं।
- चयन प्रक्रिया:**
 - पद्म पुरस्कार समिति:**
 - ये पुरस्कार 'पद्म पुरस्कार समिति' द्वारा की गई सफारिशों के आधार पर प्रदान किये जाते हैं, जसिका गठन प्रतिवर्ष प्रधानमंत्री द्वारा किया जाता है।
 - राष्ट्रपतिद्वारा प्रदत्त:**
 - ये पुरस्कार भारत के राष्ट्रपतिद्वारा आमतौर पर प्रतिवर्ष मार्च/अप्रैल के महीने में प्रदान किये जाते हैं।

पद्म पुरस्कार-23



74वें गणतंत्र दिवस पर केंद्र सरकार द्वारा जिन 106 पद्म पुरस्कारों की घोषणा की गई, उनमें 6 पद्म विभूषण, 9 पद्म भूषण और 91 पद्मश्री हैं।

पद्म पुरस्कार

- शुरुआत- 1954
- पद्म पुरस्कार- तीन श्रेणियां में प्रदान किए जाते हैं।
- पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री

पद्म विभूषण

- बालकृष्ण दोशी (मरणोपरांत)
- जाकिर हुसैन
- एस एम कृष्णा
- दिलीप महालनोबिस (मरणोपरांत)
- श्रीनिवास वर्धन
- मुलायम सिंह यादव (मरणोपरांत)

पद्म भूषण

- एस एल भैरप्पा
- कुमार मंगलम बिड़ला
- दीपक धर
- वाणी जयराम
- स्वामी चिन्ना जीयर
- सुमन कल्याणपुर
- कपिल कपूर
- सुधा मूर्ति
- कमलेश डी पटेल

पद्मश्री

- डॉ. सुकमा आचार्य
- जोधैयाबाई बैगा
- प्रेमजीत बारिया
- उषा बर्ले
- मुनीश्वर चंदावर
- हेमंत चौहान
- भानुभाई चिन्ना एवं अन्य...

भारत रत्न

- यह देश का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है। यह मानव प्रयास के किसी भी क्षेत्र में सर्वोच्च स्तर की असाधारण सेवा/प्रदर्शन की मान्यता के लिये प्रदान किया जाता है।
- इसे पद्म पुरस्कार से अलग स्तर पर माना जाता है। भारत रत्न के लिये प्रधानमंत्री द्वारा भारत के राष्ट्रपति को सफारिशें की जाती हैं।
- आमतौर पर एक वर्ष में तीन भारत रत्न पुरस्कार दिये जाते हैं। हालाँकि इस वर्ष 2024 में सरकार ने पाँच लोगों को [भारत रत्न](#) के लिये नामति किया है।

संवधान के अनुच्छेद 18 के तहत उपाधियों का उन्मूलन:

- भारतीय संवधान का [अनुच्छेद 18\(1\)](#) सभी उपाधियों को समाप्त कर देता है और राज्य को किसी भी व्यक्तिको उपाधियाँ प्रदान करने से रोकता है, चाहे वह नागरिक हो या गैर-नागरिक।
 - हालाँकि सैन्य और शैक्षणिक सम्मान इस नषिध के अपवाद हैं।
 - इसका अर्थ यह है कि विश्वविद्यालय, उदाहरण के लिये व्यक्तियों को उनकी योग्यता के आधार पर उपाधियाँ या सम्मान प्रदान कर सकते हैं।

- एक "शीर्षक" किसी के नाम के साथ जुड़ाव को संदर्भित करता है, जैसे कउपसर्ग या प्रत्यय (उदाहरण के लिये सर, नवाब, महाराजा)।
 - लोकतंत्र में उपाधियों और नाममात्र की महमिओं को हतोत्साहति कथिा जाता है क्युंकि यह सामाजकि समानता के सिद्धांतों के वरुिद्ध है।
- "भारत रत्न," "पद्म वभूषण," और "पद्म शरी" जैसे पुरस्कार अनुच्छेद 18 के तहत नषिदिध नहीं हैं क्युंकि वे वभिन्न क्षेत्रों में नागरकों द्वारा कथिे गए असाधारण कार्य की राज् क की मान्यता के प्रतीक हैं।
 - बालाजी राघवन बनाम भारत संघ, 1996 के ऐतहासकि नरिणय में न्यायालय ने माना कशिष्टरीय पुरस्कार अनुच्छेद 18 के खंड 1 के तहत उपाधिकी परभाषा के तहत नहीं आते हैं।

नोट :

- इंदरिा जयसहि बनाम भारतीय सर्वोच्च न्यायालय, 2017 के मामले में अधविकताओं के नाम से पहले 'वरषिठ अधविकता' शब्द के उपयोग पर सवाल उठाने पर एक शकियात दर्ज की गई थी।
 - सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कथिह शीर्षक नहीं है, बल्कि एक सीमांकन (Demarcation) है, इसलथि यह भारतीय संवधान के अनुच्छेद 18 का उल्लंघन नहीं करता है।

और पढ़ें: [गणतंत्र वविस](#)

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. भारत रत्न और पद्म पुरस्कारों के संबंध में नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजथि: (2021)

1. भारत रत्न और पद्म पुरस्कार भारत के संवधान के अनुच्छेद 18(1) के अंतर्गत उपाधियाँ हैं।
2. वर्ष 1954 में प्रारंभ कथिे गए पद्म पुरस्कारों को केवल एक बार नलिंबति कथिा गया था।
3. कसिी वर्ष वशिष में भारत रत्न पुरस्कारों की अधकितम संख्या पाँच तक सीमति है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही नहीं हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)